वर्ष-9 | अंक 09 | 21 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2024 तक | पृष्ठ-12 | MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

गडकरी बोले- खराब सड़क पर लोग हमें ठोंकते हैं

केंद्रीय मंत्री ने कहा- हमें डिसक्रेडिट भी मिलता है, गलत रोड प्लानर को पद्मश्री मिलना चाहिए

उदय प्रताप सिंह चौहान

भोपाल के रवींद्र भवन में पीडब्ल्यूडी और इंडियन रोड कांग्रेस की सेमिनार हो रही है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यहां अपने संबोधन में इजीनियर्स से कहा कि विभाग का मंत्री होने के नाते अच्छे काम का क्रेडिट हमें मिलता है लेकिन जब सड़क पर गड्?ढे होते हैं तो डिसक्रेडिट भी मिलता है। सोशल मीडिया में लोग हमें ठोंकते हैं। आगे-पीछे कुछ नहीं देखते। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गलत डीपीआर बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि एक-एक को पद्मश्री और पद्म भूषण मिलना चाहिए। इतने गंदे काम हो सकते हैं इंजीनियरिंग प्वाइंट ऑफ व्यू से सोचिए जरा।

ये डीपीआर वाले तो महान लोग हैं

गडकरी ने कहा कि बेंगलुरू से चेन्नई एक्सप्रेस वे हाईवे हेलिकॉप्टर से देख रहा था। तीन बड़े-बड़े टॉवर रोड पर दिखे। उसको उठाने के लिए तीन-चार सौ करोड़ खर्च कर रहे हैं। मेरे साथ मध्यप्रदेश के अच्छे अधिकारी थे। पांडे करके। मैंने कहा- पांडे जी, तुमने आईआईटी पास किया है ना। तुमको समझ में नहीं आता कि ये टॉवर थे रास्ता थोड़ा सरका देते तो ये चार सौ करोड़ काहे के लिए खर्च होता। बोले- साहब! आप सही हैं। डीपीआर बनाने वालों की गलती है। ये डीपीआर वाले तो इतने महान लोग हैं कि एक-एक जन को पद्मश्री और पद्म विभूषण ही देना चाहिए। यानी कितने गंदे काम हो सकते हैं इंजीनियरिंग प्वाइंट ऑफ व्यू से। घर पर बैठकर गूगल पर ही काम कर लेते हैं। माफ करना अगर उनमें से कोई यहां बैठा हो। मुख्यमंत्री से कहूंगा कि आप अपने यहां इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों से कहो कि ये डीपीआर चेक करो। उनका अनुभव भी बढ़ेगा और क्रॉस चेक भी होगा।

एक ही जगह चार ब्रिज बना रहे हैं

उन्होंने सरकारी विभागों में तालमेल की कमी को लेकर भी तंज कसा। कहा कि हमारे रूल ऑफ बिजनेस में लिखा है- एक अधिकारी को दूसरे से बात नहीं करना। चर्चा नहीं करना। रेलवे अलग ब्रिज बना रहा है। हम अलग बना रहे हैं। तीसरा और चौथा कोई और बना रहा है। प्रधानमंत्री बोलते थे- ये साइरोल में चलता है। सीएस अनुराग जैन का देश के लिए योगदान है कि उन्होंने जो गति शक्ति सॉफ्टवेयर का प्लेटफॉर्म खड़ा किया अब इसके कारण हम सब समझ जाते हैं।

अटलजी से कहा था- चुनाव आपको लड़ना है अफसर को नहीं

अटलजी की सरकार थी। गांव में सड़क बनाने पर अफसरों ने कहा कि ये राज्य का विषय है। अटलजी ने मेरी तरफ देखा। मैं बोलने में आउट स्पोकेन हूं। मैंने कहा कि चुनाव आपको लड़ना है अफसर को थोड़े ही लड़ना है। करो साइन और लगाओ ठप्पा।

ग्रीन हाइवे बनाने का काम कीजिए

40 प्रतिशत पॉल्यूशन रोड वाले करते हैं। हमें गंभीरता से सोचना चाहिए। जो पेड़ ऑक्सीजन ज्यादा छोड़ते हैं उन्हें लगाइए। हमने 70 हजार पेड़ ट्रांसप्लांट किए। आप भी ग्रीन हाईवे बनाइए। अपने ध्यान में गलती आए तो उसे स्वीकार करो और सुधार करो। मैं अकसर कहता हूं कि अमेरिका में अच्छी सड़कें इसलिए नहीं है क्योंकि अमेरिका अमीर है, बल्कि इसलिए अमेरिका अमीर है क्योंकि वहां अच्छी सड़कें हैं। एमपी के सीएम डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार सड़क और पुल निर्माण में उभरते नए ट्रेंड और तकनीकों पर केंद्रित है। सेमिनार में सड़क और पुल निर्माण की नई तकनीक, सामग्री और एग्रीमेंट प्रोसेस से जुड़े पहलुओं पर एक्सपर्ट्स अपने अनुभव और सुझाव साझा कर रहे हैं। यहां एक प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जिसमें सड़क और पुल निर्माण में लगने वाली नई मशीनरी समेत अन्य सामग्री का प्रदर्शित की गई हैं। सेमिनार में विभिन्न तकनीकी-सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें देशभर से आए हुए विशेषज्ञ नई तकनीकों, निर्माण सामग्रियों और ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, कंस्ट्रक्शन) एग्रीमेंट प्रक्रिया की चुनौतियों पर अपने विचार रखेंगे।

कचरे का उपयोग सड़क निर्माण में करें

गडकरी ने कहा- पूरे मध्य प्रदेश के नगर निगमों, नगरपालिका निगमों और पूरे देश में जो भी कचरा है, उसे उठाकर ठीक से सेग्रीगेट करें और उसका उपयोग सड़कों के निर्माण में करें। इस प्रक्रिया से न केवल सड़कों का निर्माण होगा, बल्कि यह इकोलॉजी और एनवायरमेंट को भी प्रोटेक्ट करेगा।

80 लाख टन कचरे का उपयोग सड़क में किया

गडकरी ने कहा मेरी यह रिक्वेस्ट है कि सड़कों के निर्माण के लिए एग्रीगेट (निर्माण सामग्री) उपलब्ध नहीं हो पा रहा है तो जिन शहरों में जितना कचरा है, उसे ठीक से सेग्रीगेट करें और सड़कों के निर्माण में उसका उपयोग करें। अभी तक हमने 80 लाख टन कचरे का उपयोग सड़कों में किया है। इससे दिल्ली में काजीपुर लैंडफिल साइट की ऊंचाई 7 मीटर तक कम हो गई है। दिल्ली-मुंबई हाइवे, चंडीगढ़, बाड़मेर, अहमदाबाद और अन्य जगहों पर भी कचरे का उपयोग सड़कों के निर्माण में किया गया है।

आज रहली नगर में सकल नेमा समाज द्वारा उनके आराध्य राजाधिराज श्री निमीजी महाराज के जन्मोत्सव समारोह में सम्मिलित हुआ, जिसे बहुत ही धूमधाम से मनाया गया।
गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

शिवराज के बड़े बेटे कार्तिकेय की अमानत से इंगेजमेंट

दिल्ली में सगाई की रस्म में दोनों परिवारों के 50 लोग शामिल रहे; पीएम को शादी का न्योता

न्यूज क्राइम फाइल

केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की अमानत बंसल से गुरुवार रात सगाई हुई। दिल्ली के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में दोनों परिवारों को मिलाकर 50 लोग ही शामिल हुए। कार्तिकेय देश की जानी-मानी लिबर्टी शूज कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनुपम बंसल के दामाद बनने जा रहे हैं। अनुपम बंसल की बेटी अमानत से बेटे का रिश्ता पक्का होने की जानकारी शिवराज ने 1 महीने पहले ही दी थी। 17 अक्टूबर को सगाई की तारीख भी बताई थी।

प्रधानमंत्री मोदी को दिया शादी का निमंत्रण

बड़े बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान की सगाई के एक दिन पहले यानी बुधवार को शिवराज सिंह चौहान ने पत्नी साधना और दोनों बेटों कार्तिकेय और कुणाल के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पहुंचकर मुलाकात की थी। शिवराज ने पीएम मोदी को दोनों बेटों की शादी में शामिल होने के लिए इनवाइट किया।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की छात्रा रही हैं अमानत

अमानत बंसल ने हाल ही में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से साइकोलॉजी में एमएससी की है। उनकी मां रुचिता बंसल कन्फेडरेशन ऑफ वूमेन एंटरप्रेन्योर्स ऑफ इंडिया के हरियाणा चैप्टर की फाउंडर हैं।

मप्र के 3.50 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को मिलेगी अतिरिक्त वेतनवृद्धि

हाईकोर्ट ने शासन को दिया नोटिस, कहा-4 हफ्ते में दें लाभ

न्यूज क्राइम फाइल

साल 2005 से पहले 1 जनवरी से 1 जुलाई के बीच नियुक्त मध्य प्रदेश के करीब 2 लाख कर्मचारी और 1.50 लाख पेंशनरों को 5वें वेतनमान में एक वेतनवृद्धि का लाभ मिलेगा। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए जबलपुर हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश वाली डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार को नोटिस देकर 4 हफ्ते में कर्मचारियों-पेंशनरों को वेतनवृद्धि कर 6वें वेतनमान में वेतन का निर्धारण करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने आदेश का पालन कराने की जिम्मेदारी एडवोकेट जनरल को सौंपी है। एसोसिएशन ने जबलपुर हाईकोर्ट में 5 अक्टूबर को रिट पिटिशन दायर की थी। जिस पर शुक्रवार को फैसला आया है। जिसमें कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई है। याचिकाकर्ताओं ने वकील ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार पूर्व में फिक्सेशन कर चुकी है, पर लाभ नहीं दिया। इस पर कोर्ट ने तय सीमा में लाभ देने के निर्देश दिए हैं। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी और प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि मध्य प्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम

2009 के नियम 9 के अनुसार वेतनवृद्धि एक समान (1 जुलाई) करने के कारण कर्मचारियों को 6वें वेतनमान में 13 से 18 महीने बाद वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ मिला है।

केंद्र सरकार कर चुकी है संशोधन

यह मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार ने 6वें वेतनमान के नियम में 19 मार्च 2012 को संशोधन कर दिया। जिसमें कहा गया कि जिसकी वेतनवृद्धि 2005 में 1 जनवरी से 1 जुलाई के बीच में होती थी, उन सभी को 5वें वेतनमान में एक वेतनवृद्धि देकर 6वें वेतनमान में वेतन निर्धारण कर 1 जुलाई 2006 को वार्षिक वेतनवृद्धि दी जाए। जोशी और सक्सेना बताते हैं कि याचिका में हमने इसी बात को उठाया है।

1500 से 3200 का लाभ

सक्सेना बताते हैं कि सरकार इस प्रकरण का हाईकोर्ट के आदेश अनुसार निराकरण करती है, तो पेंशनरों को कम से कम 1500 रुपए का पेंशन और कर्मचारियों को कम से कम 3200 रुपए का वेतन में लाभ होगा।

मप्र ने नहीं माने केंद्र के निर्देश

वे बताते हैं कि उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ सरकारों ने भी केंद्र सरकार के निर्देशों का पालन करते हुए अपने कर्मचारियों का वेतन निर्धारण किया है, पर मध्य प्रदेश सरकार ने इसे नहीं माना। जोशी बताते हैं कि उन्होंने 22 मार्च 2012 को केंद्र सरकार के निर्देशों का हवाला देते हुए वेतनवृद्धि में सुधार के लिए ज्ञापन सौंपा था। इसे तत्कालीन वित्त मंत्री, प्रमुख सचिव वित्त और मुख्य सचिव ने अनुमोदित भी किया था, लेकिन आदेश जारी नहीं हुए।

उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों एवं गन्ना समिति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई!
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

कांग्रेस ने कहा- वन मंत्री के रिश्तेदारों को बना रहे बीएलओ, चुनाव होंगे प्रभावित

विजयपुर में नामांकन के साथ शिकायत शुरू

न्यूज क्राइम फाइल

बुधनी और विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनाव संबंधी शिकायतों का दौर भी शुरू हो गया है। कांग्रेस ने श्योपुर जिले के विजयपुर में होने वाले चुनाव में बीजेपी के संभावित प्रत्याशी और वन मंत्री राम निवास रावत की जाति के व्यक्ति को बीएलओ बनाए जाने पर आपत्ति जताई है। साथ ही चुनाव प्रभावित करने की बात कहते हुए हटाने की मांग की है।

रावत सरनेम के बीएलओ हटाने की मांग

विजयपुर में नामांकन के साथ ही शिकायतों का दौर भी शुरू हो चला है, कांग्रेस ने रावत सरनेम के बीएलओ बनाए जाने पर भी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि वन मंत्री के रिश्तेदार और उनकी जाति के लोगों को बीएलओ बनाकर चुनाव प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से वन मंत्री के रिश्तेदार और रावत सरनेम वाले बीएलओ को हटाने की भी मांग की है।

चुनाव प्रभावित करने के लगाए आरोप

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से की गई शिकायत में प्रदेश कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोपिया ने कहा कि प्रदेश में 2 स्थानों पर विधानसभा उप चुनाव की घोषणा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा की गई है। आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो चुकी है। विजयपुर विधानसभा उप चुनाव क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी द्वारा वन मंत्री राम निवास रावत को प्रत्याशी तय किया गया है। धनोपिया ने कहा कि चुनाव के पूर्व प्रशासनिक स्तर पर वन मंत्री रावत के पक्ष में उनके रिश्तेदार को चुनाव ड्यूटी में तैनात करने का कार्य किया जा रहा है। इसका उदाहरण यह है कि क्षेत्र में करीब 46 बीएलओ को रामनिवास रावत की मंशा अनुसार पदस्थ किया गया है। पुरानी तारीख में शासकीय आदेश जारी किए जा रहे हैं, जिसमें 9 बीएलओ की सूची प्राप्त हुई है। इसमें व्यक्ति विशेष रावत एवं मीना जाति के व्यक्तियों को ही पदस्थ किया जा रहा है। यहां तक की मंत्री के सगे रिश्तेदार को भी बीएलओ बना दिया गया है।

भोपाल को लगी नशे की नजर...

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में पकड़े गए 1814 करोड़ के मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स मामले में अब विदेशी एंगल जुड़ गया है। एनसीबी ने शुक्रवार को आरोपी प्रेमसुख पाटीदार को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने प्रेमसुख को चार दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है। एटीएस-एनसीबी के विशेष लोक अभियोजक सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर एनसीबी ने गोदाम से बरामद ड्रग्स मटेरियल कस्टडी में ले लिया है। यह मटेरियल कटारा हिल्स इलाके में भोपाल पुलिस ने बरामद किया था। मटेरियल कस्टडी में लेने एनसीबी ने कोर्ट में अर्जी लगाई थी। अब तक की जांच में सामने आया है प्रेमसुख भी एमडी ड्रग्स का मुख्य सप्लायर है। इस गिरोह के कनेक्शन विदेश से जुड़े हैं। इस एंगल पर जांच की जा रही है। समझा जा रहा है इन चार दिनों में कई और गिरफ्तारी हो सकती हैं। प्रेमसुख से कई चौंकाने वाले खुलासे होने की उम्मीद है। जांच में यह भी सामने आ चुका है प्रेमसुख ने पासपोर्ट अप्लाई किया था, जिसे जांच एजेंसी ने कैंसल कराया है। इस मामले में अब तक 17 लोगों के नाम सामने आ चुके हैं। पूछताछ में प्रेमसुख पाटीदार ने तीन नाम और उगले हैं। यह सभी राजस्थान के बताए गए हैं। तीनों की घेराबंदी के लिए राजस्थान पुलिस को नाम भेज दिए गए हैं। यह तीन कौन हैं, जांच एजेंसी ने यह बाहर नहीं आने दिया है। बताया जा रहा है नाम बाहर आते ही आरोपी पकड़ से बाहर हो सकते हैं। उधर शोएब लाल की घेराबंदी के लिए चार टीम पहले से लगी हुई हैं। शोएब के साथ रब नवाज लाला और ओम पाटीदार की तलाश तेज कर दी गई है।

दुकानों पर रख सकेंगे 100 किलो पटाखा, शर्त पर 1100 लाइसेंस

फायर सेफ्टी सिस्टम होने पर ही मिलेगी अनुमति

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में 1100 से ज्यादा पटाखा दुकानें लगेंगी। 20 दिन के लिए इनमें सिर्फ 100 किलो पटाखा ही रख सकेंगे। दुकानों के लिए टीन शेड बने हैं या नहीं और फायर सेफ्टी के कितने इंतजाम है, ये जानने के बाद ही लाइसेंस दिए जाएंगे। हलालपुरा, बैरसिया रोड की 20 थोक दुकानों पर 500 किलो पटाखा रखने की परमिशन दी जाएगी। राजधानी में पटाखा कारोबारियों से अस्थायी दुकानों के लाइसेंस के लिए एमपी ऑनलाइन से आवेदन बुलाए थे। अब तक भोपाल जिले से 1114 लाइसेंस के लिए आवेदन मिले हैं। 500 किलो के पटाखों की 20 आवदेन आए हैं। होशंगाबाद रोड पर 11, करोंद में 2 और भानपुर की एक दुकान शामिल हैं। थोक कारोबारियों के लिए सालभर का लाइसेंस लेना होगा। जिले में 20 थोक दुकानें हैं। इनमें हलालपुरा 15, होशंगाबाद, रेलवे फाटक करोंद, बैरसिया रोड में 1-1 और ग्राम बैरसिया में दो दुकानें है।

भोपाल पधारे केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री @nitin_gadkari जी का स्टेट हैंगर पर स्वागत किया।
प्रदेश अध्यक्ष - भाजपा मध्यप्रदेश

आलेख

रबी फसलों के एमएसपी की घोषणा, बाजारी ताकतों पर नियंत्रण जरुरी

बुवाई से पहले या बुवाई के समय फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि किसानों को कौन सी फसल लेना लाभकारी रहेगा इस पर सोच विचार कर निर्णय करने का अवसर मिल जाता है। पिछले कुछ सालों से केन्द्र सरकार द्वारा खरीफ हो या रबी लगभग इनके बुवाई के समय ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा कर दी जाती है। इसे सरकार की सकारात्मक पहल भी कहा जा सकता है। केन्द्र सरकार ने रबी सीजन की गेहूं, सरसों सहित छह प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की है। एमएसपी की घोषणा करते समय यह भी दावा किया गया है कि इन सभी छहों फसलों के एमएसपी का निर्धारण लागत से अधिक किया गया है जिससे किसानों के लिए यह फसलें लाभकारी सिद्ध हो सके। दावों की माने तो लागत की तुलना में सर्वाधिक 105 प्रतिशत अधिक एमएसपी गेहूं की घोषित की गई है, सबसे कम कुसुम की लागत से 50 प्रतिशत अधिक है तो चना और जौ की लागत से 60 फीसदी अधिक घोषित की गई है। सरसों की लागत से 98 फीसदी तो मसूर की 89 प्रतिशत अधिक राशि तय की गई है। निष्कर्ष रुप से यह कहा जा सकता है कि लागत की तुलना में सभी छह फसलों की एमएसपी दरों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की गई है। एमएसपी की घोषणा करते समय सरकार ने लागत में खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई पर व्यय के साथ ही मानव श्रम का भी समावेश किया गया है। ऐसे में लागत से अधिक राशि मिलना किसानों के लिए लाभकारी हो सकता है। देश में 1966-67 में सबसे पहले गेहूं की सरकारी खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई थी। आज से लगभग 60 साल पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने एक अगस्त 1964 को एलके झा की अध्यक्षता में इसके लिए कमेटी घटित की थी। गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था का एक विपरीत प्रभाव सामने आने पर कि किसान अन्य फसलों की जगह गेहूं की फसल पर ही केन्द्रित होने लगे तो ऐसी स्थिति में सरकार ने अन्य प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरें में लाया गया। कृषि मूल्य एवं लागत आयोग की सिफारिश पर कृषि जिंसों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। देश में गेहूं, धान आदि 7 अनाज फसलें, 5 दलहनी, 7 तिलहनी, 4 नकदी फसलों के समर्थन मूल्य की घोषणा की जाती है। नकदी फसलों में गन्ना के सरकारी खरीद मूल्य की गन्ना आयोग द्वारा की जाती है तो गन्ने की खरीद भी गन्ना मिलों द्वारा की जाती है। इसी तरह से कपास की खरीद सीसीआई यानी कि कॉटन कारपोरेशन ऑफ इण्डिया द्वारा की जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा प्रमुखत: राज्यों में सहकारी संस्थाओं के नेटवर्क के माध्यम से एमएसपी की खरीद की जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में सहकारी संस्थाओं का विस्तृत और सीधे काश्तकारों की पहुंच का नेटवर्क है। अब ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और फिर खरीद के बाद ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था से पारदर्शिता आई है। पर सवाल अभी वहीं है कि जब तक बाजार में खासतौर से मण्डियों में एमएसपी फसलों के भाव घोषित एमएसपी दरों के समकक्ष नहीं आते तब तक खरीद जारी रहने से ही काश्तकारों को सही मायने में इस व्यवस्था का फायदा मिल सकता है। दुर्भाग्य की बात यह है कि पारदर्शी व्यवस्था में भी बिचौलियों ने सेंध लगा ली है और लाख प्रयासों के बावजूद छोटे किसानों को सब तो नहीं पर कुछ काश्तकारों को व्यवस्था का लाभ नहीं मिल पाता। इसमें व्यवस्था का दोष इस मायने में हैं कि किसान को अपनी तात्कालीक व आवश्यक जरुरतों को पूरा करने के लिए साहूकार पर निर्भर रहना पड़ता है, ऐसे में काश्तकार अपनी फसल काश्तकार के नाम कर उससे अग्रिम राषि ले लेता है और बदले में काश्तकार के दस्तावेज से बिचौलियें लाभ उठा लेते हैं। यह तो साफ है कि गेहूं और धान की खरीद सरकार द्वारा व्यापक स्तर पर की जाती रही है और इसका

प्रमुख कारण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरण व्यवस्था के सुचारु संचालन और बाजार पर नियंत्रण रखना रहा है। अन्य फसलों का जहां तक सवाल है देश के अधिकांश प्रदेशों में खाद्यान्नों की खरीद एफसीआई द्वारा राज्यों के मार्केटिंग फैडरेशनों के माध्यम से सहकारी संस्थाओं द्वारा व तिलहनों और दलहनों की खरीद नैफड द्वारा भी इसी व्यवस्था के तहत किया जाता रहा है। एक समय था जब न्यूनतम खरीद आरंभ होते ही मण्डी में भी भावों में तेजी आने लगती थी। पर अब ऐसा नहीं हो रहा है इसके कारण क्या है, इस पर विचार करना। दरअसल बिचौलियों ने एमएसपी खरीद व्यवस्था में सैंध लगा दी है। किसान से ही खरीद और ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद इस व्यवस्था का लाभ बिचौलिएं अधिक उठाने लगे हैं। सवाल यह है कि केन्द्र व राज्य सरकारें एमएसपी व्यवस्था को फूलप्रुफ बनाना सुनिश्चित कर दे और सरकार द्वारा घोषित एमएसपी से मण्डियों में भाव नीचे जाते ही तत्काल खरीद आंरभ हो जाएं तो निश्चित रुप से अन्नदाता को इस व्यवस्था का पूरा पूरा लाभ मिल सकता है। इसके साथ ही इस व्यवस्था में जिस तरह से सैंध लगाई गई है उसे रोकने के भी ठोस प्रयास किए जाने आवश्यक है। कहीं ना कहीं एक बार फिर से बाजार व्यवस्था का भी अध्ययन करना होगा। क्यों खरीद बंद होने के कुछ समय बाद ही जिंसों के भाव बढ़ने लगते हैं। हाल ही में गेहूं के भावों में बढ़ोतरी और हर साल एक समय विशेष पर आलू, प्याज, टमाटर के भाव का बढ़ जाना कहीं ना कहीं यह बताता है कि कमोबेस बाजार ताकतें अधिक शक्तिशाली है और वे ही डोमिनेट करती है। इसलिए एक और जहां एमएसपी की खरीद व्यवस्था में सुधार व किसानों को ही वास्तविक लाभ मिले इसके प्रयास करने की आवश्यकता है उसी तरह से बाजार की ताकतों पर भी नजर रखना जरुरी हो जाता है ताकि एक और तो काश्तकार को ठगा महसूस करने से बचाया जा सके और आम नागरिक भी ठगा हुआ महसूस ना कर सके। कहीं ना कहीं बाजार पर सरकार के नियंत्रण की आवश्यकता है नाकि बाजारु ताकतों के हाथ में छोड़ने की।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में महका लोकतंत्रः सरकार से बड़ी उम्मीदें

आखिरकार जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र की धूप खिल ही गयी, पांच साल बाद केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर को निर्वाचित सरकार मिल गयी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने के बाद केन्द्र शासित प्रदेश में यह पहली चुनी हुई सरकार है, जो नई उम्मीदों के नये दौर का आगाज है। उमर अब्दुल्ला पहले भी एक बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन उनकी यह पारी हर तरह से खास है। नई सरकार के मुखिया के तौर पर उमर अब्दुल्ला के सामने आम लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कठिन चुनौती भी है। जनता ने विकास और शांति की आकांक्षा के साथ दिल खोलकर मतदान किया और अपनी उम्मीदों की सरकार चुनी है। घाटी में दशकों तक अब्दुल्ला परिवार के शासन के अनुभव के मद्देनजर घाटी के लोगों ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर भरोसा जताया। तमाम ऊहापोह, सुरक्षा चुनौतियों तथा विदेशी दखल की तमाम आशंकाओं को निर्मूल करते हुए जम्मू-कश्मीर के जनमानस ने स्पष्ट सरकार बनाने का जनादेश दिया है। इस भूमिका तक पहुंचाने में भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं। कश्मीर में विकास, पर्यटन में भारी वृद्धि, शांति एवं सौहार्द का वातावरण बनना ऐसे ही प्रयासों की सार्थक निष्पत्ति है। नई सरकार को विकास की चल रही योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए आतंकमुक्त कश्मीर के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाना होगा। जम्मू एवं कश्मीर में लोकतांत्रिक सरकार का गठन अनेक दृष्टियों से न केवल राजनीतिक दशा-दिशा स्पष्ट करेगा बल्कि राज्य के उद्योग, पर्यटन, रोजगार, व्यापार, रक्षा, शांति आदि नीतियों तथा राज्य की पूरी जीवन शैली व भाईचारे की संस्कृति को प्रभावित करेगा। बहरहाल, ऐसे में नवनिर्वाचित सरकार और केंद्र का दायित्व है कि घाटी के लोगों ने जिस मजबूत लोकतंत्र की आकांक्षा जतायी है, उसे पूरा करने में भरपूर सहयोग करें। एक समय राज्य में मतदाता डर कर मतदान करने हेतु नहीं निकलते थे। मतदान का प्रतिशत बेहद कम रहता था। इस बार मतदाता निर्भीकता के साथ मतदान करने निकले। जनता ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संकल्प को सकारात्मक समर्थन दिया है। यद्यपि लोकसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस को कामयाबी नहीं मिल पायी थी, लेकिन जनता ने उन्हें राज्य में सरकार चलाने का स्पष्ट जनादेश दिया है। वहीं दूसरी ओर, इस भारी मतदान व स्पष्ट बहुमत का एक निष्कर्ष यह भी है कि लोग घाटी में शांति और सुकून, अमन एवं विकास, सौहार्द एवं सद्भावना चाहते हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर प्रयास करना होगा कि इस क्षेत्र में शांति कायम होने के साथ विकास की नई बयार चले।

टी बचाओ अभियान' के अंतर्गत मध्य प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेतागण और कार्यकर्ता उपवास पर हैं। पूरी कांग्रेस पार्टी गांधीवादी तरीके से समाज के इस दुशासन का अंत करेगी।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

पेट्रोल डालकर जलाई गई छेड़छाड़ पीड़िता की मौत

इंदौर में इलाज के दौरान छठवें दिन तोड़ा दम; आरोपी के बेटे ने लगाई थी आग

न्यूज क्राइम फाइल

खंडवा में 12 अक्टूबर को दशहरे के दिन पेट्रोल डालकर जलाई गई छेड़छाड़ पीड़िता ने गुरुवार देर रात दम तोड़ दिया। पीड़िता के वकील वीरेंद्र कुमार वर्मा ने मौत की पुष्टि की है। 18 वर्षीय युवती को 12 अक्टूबर की सुबह 10 बजे जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में एडमिट किया गया था। वहां से रेफर किए जाने के बाद इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजन से शुरुआती जानकारी मिली थी कि उसने सुसाइड अटेम्प्ट किया है। जब पीड़िता के बयान हुए तो उसने बताया कि छेड़छाड़ के आरोपी मांगीलाल के बेटे अर्जुन ने पेट्रोल डालकर आग लगाई है। आरोपी युवक हत्या के प्रयास के मामले में जेल में है।

छेड़छाड़ का आरोपी मांगीलाल गिरफ्तार

पुलिस ने गुरुवार को छेड़छाड़ करने वाले आरोपी मांगीलाल को भी गिरफ्तार कर लिया है। एसपी मनोज कुमार राय का कहना है कि मांगीलाल भी आगजनी के षड्यंत्र में शामिल था। इसी केस में उसे गिरफ्तार किया है। दरअसल, मृतक के परिजन ने चेतावनी दी थी कि जब तक मांगीलाल गिरफ्तार नहीं हो जाता, तब तक बेटी का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे।

पिता बोले- मेरी बच्ची को न्याय चाहिए

पीड़िता के पिता ने कहा- मांगीलाल मेरी बच्ची को बहला-फुसला कर खेत में ले गया। उसके साथ बलात्कार किया। मेरे भाई को देखकर वह भाग गया। पुलिस वालों ने ढंग से रिपोर्ट नहीं लिखी। दूसरे दिन पता चला कि छेड़छाड़ की रिपोर्ट लिखी है। पीड़ित के पिता ने कहा.. मुझे इंसाफ मिलना चाहिए। सरकार से मेरी विनती है कि अर्जुन को फांसी या 20 साल की सजा दी जाए। मैं गरीब आदमी हूं, मैंने बकरियां बेच दीं। जरूरत पड़ी तो

घर भी बेच दूंगा। हम फुटपाथ पर रह लेंगे। मेरी बच्ची को न्याय चाहिए। बेटी के साथ दुराचार का आरोपी मांगीलाल जब तक गिरफ्तार नहीं हो जाता, तब तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। हमारी बेटी ने प्राण दिए हैं। उसे पूरी ताकत के साथ न्याय दिलाएंगे।

मजिस्ट्रेट के सामने कहा था- अर्जुन ने आग लगाई

12 अक्टूबर को घटना के बाद पीड़िता को खंडवा जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ने पीड़िता के बयान दर्ज किए थे। पीड़िता ने मजिस्ट्रेट को दिए बयान में कहा था-

पहले सुसाइड अटेम्प्ट करने की बात सामने आई थी

टीआई अशोक सिंह चौहान के मुताबिक, आग से झुलसी 18 वर्षीय पीड़िता को शनिवार सुबह 10 बजे जिला अस्पताल के बर्न वार्ड में एडमिट किया गया था। परिजन से शुरुआती जानकारी मिली थी कि उसने सुसाइड अटेम्प्ट किया है। जब पीड़िता के बयान हुए तो उसने बताया कि अर्जुन ने पेट्रोल डालकर आग लगाई है। घटना के कुछ देर पहले ही मैं घर पहुंचा था। खाना पका रही पत्नी से पूछा- छोटी बेटी कहां है तो उसने कहा कि वो काम में लगी है। इतने में बेटी दौड़ती हुई मेरे पास आई, वो आग से झुलसी हुई थी। हम उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। बेटी के साथ क्या कुछ हुआ, मुझे पता नहीं। वहीं, अर्जुन की मां ने आरोप लगाया था- मेरे बेटे ने उसे नहीं जलाया। वह बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

आरोपी ने रेप का प्रयास किया, लात मारकर भागी थी

पुलिस के मुताबिक, 7 अक्टूबर को मांगीलाल युवती को खेत ले गया था। वहां उसके हाथ बांधकर दुष्कर्म की कोशिश की। पीड़िता ने पहले उसे लात मारकर दूर फेंका और फिर जान बचाकर भागी। परिजन को आपबीती बताई। इसके बाद थाने में आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया। आरोपी मांगीलाल को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। यहां से उसे जमानत मिल गई। गुस्साए आरोपी और उसके परिवार ने युवती और उसके परिजन को धमकी देते हुए कहा था- पुलिस ने भी क्या बिगाड़ लिया हमारा। अब तुझे गांव में रहने नहीं देंगे। बदनाम कर देंगे। तुझे मार देंगे। आरोपी को कोर्ट से जमानत मिलने पर पीड़िता ने 9 अक्टूबर को एसपी से शिकायत की थी। कहा था- केस दर्ज कराकर मैं बदनाम हो गई और आरोपी केवल 24 घंटे ही सलाखों के पीछे रहा। ये कैसा न्याय है?

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

आज भोपाल स्थित रवींद्र भवन में सड़क और पुल निर्माण पर दो दिवसीय सेमिनार के शुभारंभ से पूर्व जनजातीय समुदाय के भाई-बहनों के साथ संवाद कर उनकी लोक परंपरा के बारे में जाना।

मोहन यादव- सीएम मप्र

अयोध्या में रामलला के मंदिर में उपयोग में लाए गए मध्यप्रदेश के मंडला के पत्थर

खनिज कॉन्क्लेव में 20 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए : मुख्यमंत्री

न्यूज क्राइम फाइल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। इस संपदा के दोहन के लिए प्रयास बढ़ाते हुए खनिज क्षेत्र में नए निवेश को पूरा प्रोत्साहन दिया जाएगा। खनन क्षेत्र के उद्यमियों को राज्य सरकार सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगी। प्रदेश की खनिज संपदा का दोहन करते हुए उत्पाद भी प्रदेश में ही हो, ऐसे प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को 2 दिवसीय माईनिंग कॉन्क्लेव के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सम्पन्न कॉन्क्लेव में विभिन्न 11 औद्योगिक संस्थानों की ओर से 19,650 करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में एमओआईएल (भारत सरकार का उपक्रम) और मध्यप्रदेश राज्य खनिज निगम लिमिटेड के मध्य खनिज ब्लॉक से संबंधित 卐संयुक्त उद्यम समझौता卐 हस्ताक्षरित भी हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कॉन्क्लेव को सफल आयोजन बताते हुए कहा कि प्रदेश के खनिज राजस्व में भी 5 गुना वृद्धि का लक्ष्य आने वाले समय में प्राप्त किया जाएगा। उद्यमियों के साथ भू-गर्भ शास्त्री, वैज्ञानिक, खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार के खनिज मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अधिकारी कॉन्क्लेव में शामिल हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश की संस्कृति विश्व में सबसे अलग है। जहां अन्य देश राष्ट्र को पिता मानते हैं, हमारे देश में हम भारत माता की जय का उद्घोष करते हैं।

मातृ प्रधान व्यवस्था को प्राचीन काल से प्रश्रय मिला। हम देश को भी मातृ संस्था मानते हैं। शरीर की रचना भी ब्रम्हांड की तरह होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहाकि इस वसुंधरा की नदियां मनुष्य के रक्त प्रवाह के समान हैं। पृथ्वी में भी प्राण होते हैं और वनस्पति में भी प्राण होते हैं, यह हमारी मान्यता अन्य देशों से काफी पुरानी हैं। प्रकृति के दोहन और शोषण के अंतर को समझने की आवश्यकता है। खनिज संपदा की दृष्ट से ईश्वर की कृपा मध्यप्रदेश पर है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जेट की गति से बढ़ रहा देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश जेट की गति से आगे बढ़ रहा है। खनिज के क्षेत्र में प्रधानमंत्री की कल्पना के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। मध्यप्रदेश भी विकास के सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। जहां कृषि के साथ ही पशुपालन और अन्य क्षेत्रों में नए प्रकल्प आ रहे हैं, वहीं खनिज क्षेत्र में मध्यप्रदेश उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करेगा। भारत सरकार द्वारा खनिजों की नीलामी में पुरस्कृत मध्यप्रदेश विविध प्रकार की खनिज संपदा के समुचित दोहन के लिए संकल्पबद्ध है। मध्यप्रदेश सरकार खनिज क्षेत्र में निवेश को भरपूर प्रोत्साहन देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खनन क्षेत्र में उद्यमियों को सरकार का पूरा साथ मिलेगा। खनिज क्षेत्र मध्यप्रदेश को प्रगति के नए आयामों को छूने में सहयोगी बनेगा।

हर महीने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में हर महीने अलग-अलग क्षेत्रों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हो रही हैं। इस वर्ष अब तक हुई 4 कॉन्क्लेव के फलस्वरूप लगभग 2 लाख 50 हजार करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। आने वाली 23 अक्टूबर को रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव उद्योग के विभिन्न सेक्टर्स में नए निवेश लाने में सहयोगी होगी।

एक ही दिन में दो बड़े आयोजनों में भागीदारी का सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक प्रगति को अग्रसर रखने एवं युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव की जा रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश की पूरी क्षमता को विकसित करने हमने पर्यटन की भी कॉन्क्लेव की। आज मैं दो कॉन्क्लेव में शामिल हुआ। सुबह पेट्रोकेमिकल एवं फार्मा इंडिया केम मुंबई में शामिल हुआ और अभी माइनिंग कॉन्क्लेव में शामिल हुआ हूँ। विभागवार कॉन्क्लेव की श्रंखला जारी रहेगी। अगले वर्ष फरवरी में जीआईएस का आयोजन करेंगे। मध्यप्रदेश में चहुँमुंखी औद्योगिक विकास और रोजगार बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि निश्चित ही यह गर्व का विषय है कि गोंडवाना अंचल के मंडला जिले में खनन से प्राप्त पत्थर का उपयोग अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर के गर्भ गृह में लगाने का सौभाग्य मध्यप्रदेश को मिला। निश्चित ही यह पत्थर गुणवत्ता की दृष्टि से इस योग्य पाया गया कि उसे गर्भगृह में स्थान मिला।

प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है : कृषि मंत्री कंषाना

न्यूज क्राइम फाइल

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है किप्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। राज्य सरकार ने खरीफ में किसानों को आवश्यक मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया है और रबी में भी इसी प्रकार से किसानों की आवश्यकतानुसार उर्वरक उपलब्ध करायेगें। मंत्री श्री कंषाना श्यामला हिल्स स्थित निवास पर मीडिया से चर्चा में यह बातें कही। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि फसलों के लिये नाईट्रोजन, फास्फोरस और पोटास की आवश्यकता होती है। डीएपी से नाइट्रोजन एवं फास्फोरस की ही पूर्ति हो पाती है, जबकि एनपीके के उपयोग से नाइट्रोजन, फास्फोरस एवं पोटाश तीनों तत्वों की पूर्ति हो जाती है। इसलिये किसानों को कृषि वैज्ञानिकों द्वारा डीएपी के स्थान पर एनपीके के उपयोग की सलाह दी जा रही है। केन्द्र सरकार ने डीएपी उर्वरक पर सब्सिडी बढ़ा दी है जिससे कि किसानों को किसी तरह की समस्या न हो। एक बैग यूरिया की कीमत 2 हजार 265 रूपये है। जबकि सरकार इसे सस्ते दर पर किसानों को 266.50 रूपये में उपलब्ध करा रही है। इसी

प्रकार डी.ए.पी की एक बैग की कीमत 2 हजार 446 रूपये है, जबकि सरकार इसे किसानों को 1 हजार 350 रूपये प्रति बैग उपलब्ध कराती है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश में किसानों को खरीफ के मौसम में दी जाने वाली सब्सिडी की गणना करें तो यह यूरिया के लिए 7 हजार 32 करोड़ रूपये एवं डीएपी के लिये 1 हजार 258 करोड़ रूपये होगी। यह सरकार की किसानों के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में डीएपी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव का कारण यूक्रेन और इजराइल संघर्ष है। इनके संघर्ष के कारण आपूर्ति में बाधाओं का सामना करना पड़ा है। फिर भी किसानों को पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने की योजना तैयार की गई है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि खरीफ 2024 में किसानों को 32.97 लाख मीट्रिक टन की मांग के विरूद्ध 33.69 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराया गया है, जबकि पिछले वर्ष खरीफ 2023 में 32.62 लाख मीट्रिक टन उपलब्ध कराया गया था। इसी प्रकार रबी 2024 में 41.10 लाख मीट्रिक.टन की मांग के विरूद्ध 01 अक्टूबर 2024 से अभी तक 19 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध कराया गया है। जिसमें 7.74 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.21 लाख मीट्रिक टन डीएपी और 6.05 लाख मीट्रिक टन एसएसपी उपलब्ध करा दिया गया है। मंत्री श्री कंषाना ने कहा कि प्रदेश में रबी 2024 के लिए भी पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नायब सिंह सैनी जी और उनके साथ मंत्री के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को बहुत-बहुत बधाई।
प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

बेंगलुरु टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड के पेसर बेन सियर्स चोटिल

न्यूज क्राइम फाइल

भारत के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सियर्स चोटिल हो गए हैं। वे घुटने की चोट की वजह से पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर जैकब डफी को मौका दिया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने मंगलवार को बताया कि सियर्स ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान ट्रेनिंग सेशन में बाएं घुटने में दर्द की शिकायत की थी। पिछले हफ्ते उनका स्कैन कराया गया था। इससे पता चला कि उनके घुटने के मेनिस्कस लिगामेंट में चोट है। डॉक्टर्स की सलाह के बाद उन्हें सीरीज से बाहर किया गया है। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर अनकैप्ड गेंदबाज जैकब डफी को चुना गया है। इस सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला पुणे, तीसरा मैच मुंबई में खेला जाएगा। जैकब 14 टी-20 और 6 वनडे खेल चुके हैं ओटागो के ऑलटाइम टॉप विकेट टेकर जैकब 14 टी-20 और 6 वनडे में न्यूजीलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनके नाम 299 फर्स्ट क्लास विकेट हैं। कोच बोले- उम्मीद है कि वे जल्दी रिकवर करेंगे कीवी टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने सियर्स की चोट पर कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि वे जल्दी चोट से रिकवर कर लेंगे। हम बेन के लिए निराश हैं। उनका टीम में रहना एक तेज गेंदबाजी विकल्प देता है।

लार्ज-एंड-मिड कैप फंड ने 1 साल में दिया 29% रिटर्न लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करना फायदेमंद

न्यूज क्राइम फाइल

दिवाली के खास मौके पर अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करने की योजना बना रहे हैं तो लार्ज एंड मिड कैप अच्छा ऑप्शन हो सकता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार, पिछले एक साल में लार्ज एंड मिड कैप ने 29.22% तक का रिटर्न दिया है। यह रिटर्न 18 अक्टूबर 2024 तक का है। लंबे समय तक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के जरिए निवेश करके आप इस फंड में आप अच्छा रिटर्न बना सकते हैं। आइए अब सबसे पहले लार्ज एंड मिड कैप म्यूचुअल फंड के बारे में जानते हैं।

लार्ज एंड मिड कैप म्यूचुअल फंड क्या होता है?

लार्ज एंड मिड कैप म्यूचुअल फंड ऐसे इक्विटी फंड होते हैं , जो देश की टॉप 200 कंपनियों में निवेश करते हैं। इसमें लार्ज और मिड कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियां शामिल होती हैं। इस कैटेगरी के फंड में निवेश करने से प्योर लार्ज कैप फंड की तुलना में ज्यादा रिटर्न मिलता है।

लंबे समय में स्ङ्कक्के जरिए निवेश करने पर ज्यादा फायदा

अक्सर देखा जाता है कि इक्विटी फंड में निवेश लंबे समय में ज्यादा फायदेमंद साबित होता है। इसकी वजह यह है इक्विटी फंड में लंबे समय तक स्ङ्कक्क करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है। शेयर बाजार के निचले स्तर और ऊंचे स्तर का एक औसत रिटर्न बनता है और साथ ही कम्पाउंडिंग का फायदा भी मिलता है।

क्या SIP निवेश का सबसे अच्छा तरीका है?

शायद इसे निवेश का सबसे अच्छा तरीका कहना तो उचित नहीं होगा लेकिन यह नियमित आय वाले लोगों के लिए निवेश का अच्छा तरीका जरूर हो सकता है जैसे वेतनभोगी और कारोबारी जिनकी हर महीने एक निश्चित आय तय है। स्ङ्कक्क से निवेश जेब पर भारी नहीं पड़ता और छोटी-छोटी राशि लगातार निवेश करने से लम्बे समय में एक अच्छी खासी रकम जुटाई जा सकती है।

बेंचमार्क क्या है?

बेंचमार्क आम तौर पर भारतीय शेयर बाजार के क्ब्स्श्व सेंसेक्स और निफ्टी जैसे मार्केट सूचकांक होते हैं, जिसके साथ म्यूचुअल फंड के रिटर्न को कंपेयर किया जाता है।

इसको एक एग्जांपल से समझते हैं...

अगर आपके किसी खास म्यूचुअल फंड ने किसी खास समय के दौरान 59त्न का रिटर्न दिया है। वहीं, इस दौरान उसके बेंचमार्क ने 70% रिटर्न दिया है तो इससे यह पता चलता है कि उस फंड ने बेंचमार्क की तुलना में कम रिटर्न दिया है। बेंचमार्क की तुलना में जो म्यूचुअल फंड जितना ज्यादा रिटर्न देता है उसका परफॉर्मेंस उतना बेहतर माना जाता है।

मार्केट कैप क्या होता है?

मार्केट कैपिटलाइजेशन यानी मार्केट वैल्यू के हिसाब के देश की सभी कंपनियों को 3 कैटेगरी में बांटा गया है। इनमें जिन कंपनियों का मार्केट कैप 20 हजार करोड़ रुपए या इससे ज्यादा होता है, उन्हें लार्ज कैप कहा जाता है। इनकी वैल्यू 20 हजार करोड़ रुपए से कम, लेकिन 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा होती है, उन्हें मिड कैप कंपनी कहा जाता है। जबकि स्मॉल कैप कंपनियां वैसी कंपनियां हैं जिनकी वैल्यूएशन 5 हजार करोड़ से कम होती है। आमतौर पर मार्केट कैप के लिहाज से टॉप 100 कंपनियां लार्ज कैप, 100-250 तक मिड कैप और इसके बाद की सभी कंपनियां स्मॉल कैप कंपनियां होती हैं।

कल प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी ने भाजपा के पहले सक्रिय सदस्य बनकर सक्रिय सदस्यता अभियान% की शुरुआत की। मैंने भी इस अभियान के तहत भाजपा की सक्रिय सदस्यता ली।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

ग्वालियर; पुश्तैनी जमीन बेच 12 बोर की एक्शन गन खरीदी

रंगदारी दिखाने करता था फायरिंग; पुलिस ने गिरफ्तार कर जब्त की बंदूक

न्यूज क्राइम फाइल

ग्वालियर के बिजौली सुपावली में रंगदारी दिखाते हुए एक युवक पर फायरिंग करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बदमाश की लाइसेंसी बंदूक भी जब्त की गई है। आरोपी ने 12 बोर की दोनाली पंप एक्शन गन को पुरखों की चार बीघा जमीन को बेच कर खरीदा था। जमीन के बचे हुए पैसों से उसने गाड़ी भी खरीदी थी। बदमाश को हथियार का इतना क्रेज था कि दो दिन पहले ही उसने एक युवक से मारपीट कर उस पर फायरिंग कर दी। शुक्रवार देर रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। बेहट एसडीओपी संतोष कुमार पटेल के मुताबिक दो दिन पहले बिजौली थाना क्षेत्र के सुपावली गांव निवासी सचिन माथुर ने मारपीट की शिकायत की थी। सचिन के मुताबिक जब वह गांव के महेश सेन के खेत पर बैठा था, इस दौरान वहां गांव का अनुज धानुक आया और उससे मारपीट की। विरोध करने पर जमीन पर पटक दिया। कुछ देर बाद घर में रखी लाइसेंसी बंदूक से सचिन पर निशाना बना फायरिंग कर दी। गोली चलते ही सचिन नीचे झुका और गोली ऊपर से निकल गई। गोलीबारी की आवाज सुन ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख हमलावार मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। शुक्रवार देर रात पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बंदूक भी जब्त की है।

बंदूक का शौक पूरा करने बेची थी जमीन

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपना शौक पूरा करने

परिवार की 4 बीघा जमीन बेच एडवांस तकनीक की दो नाली पंप एक्शन गन खरीद थी। आरोपी ने लाइसेंस बनवाने के लिए भी कई हथकंडे अपनाए थे। चूंकि उसने सिक्योरिटी गार्ड बनने के लिए यह बंदूक खरीदी थी, इसलिए आसानी से उसे लाइसेंस मिल गया।

ग्रामीण बोले- बंदूक से रंगदारी दिखाता था

ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि जब से अनुज धानुक ने बंदूक खरीदी थी, वह लोगों पर रंगदारी दिखा रहा था। गांव में दिखावे के चक्कर में उसके द्वारा एक बार हर्ष फायर कर मटकी फोड़ दी गई थी। करीब तीन दिन पहले ही गांव में एक परिवार की लड़ाई में बंदूक लेकर पहुंचा और वहां भी फायरिंग कर दी थी।

इंस्टाग्राम फ्रेंड ने किया नाबालिग छात्रा को अगवा

दोस्त के साथ मिलकर जबरन बाइक पर बैठाकर ले गया; शादी का बना रहा था दबाव

न्यूज क्राइम फाइल

नर्मदापुरम के पिपरिया मंगलवारा थाना क्षेत्र के एक गांव में स्कूल जा रही नाबालिग छात्रा को उसके इंस्टाग्राम फ्रेंड ने अगवा कर लिया। नाबालिग आरोपी अपने दोस्त के साथ मिलकर छात्रा को जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर ले गया। इस दौरान रास्ते में रुककर आरोपियों ने शराब भी पी। रास्ते में छात्रा के लिए किसी परिजन को देखकर मदद के लिए आवाज लगाने पर आरोपी उसे को छोड़कर भाग गए। जिसके बाद छात्रा अपने गांव पहुंची। परिजनों को उसने सारी घटना बताई। घटना शुक्रवार सुबह लगभग 10.30 बजे की है। छात्रा शुक्रवार देर शाम को परिजनों के साथ मंगलवारा थाना पहुंची और शिकायत की। सूचना मिलने पर बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी थाने पहुंचे गए। मामले में पुलिस ने लोहिया वार्ड पिपरिया के रहने वाले नाबालिग आरोपी और उसके दोस्त राहुल के खिलाफ छेड़छाड़, अपहरण, शादी के लिए जबरदस्ती करने और पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इसके साथ ही आरोपियों को रात में ही हिरासत में लिया गया है। शिकायत में 15 वर्षीय पीड़िता ने बताया कि वो कक्षा 11वीं की छात्रा है। नाबालिग आरोपी उसका इंस्टाग्राम फ्रेंड है। दूसरे आरोपी राहुल को भी वो जानती है। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे जब वो स्कूल जा रही थी, तब स्कूल के पास आरोपी अपने दोस्त के साथ बाइक से आया और कहा कि मेरे साथ चलों। हम शादी करेंगे। मैंने शादी करने और साथ चलने से इंकार किया तो मुझे जबरदस्ती बाइक पर बैठा

लिया। फिर हथवास होते हुए उसे सोहागपुर ले आएं। जहां दोनों ने शराब पी। मैं डर के कारण चुप बैठी रही। उसने कहा कि तुझसे शादी कर पत्नी बनाकर रखूंगा। फिर दोनों शराब पीने के बाद बाइक पर मुझे घुमाते हुए गढ़ाघाट पहुंचे। मेन रोड पर मुझे मेरे रिश्तेदार दिखे, मैंने मदद के लिए आवाज लगाई। जिसे देखकर दोनों मुझे छोड़कर भाग गए। एसपी डॉक्टर गुरकरन सिंह ने बताया कि देर रात को छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। इसमें मुख्य आरोपी नाबालिग है और उसके और उसका दोस्त राहुल 19 साल का है।

अंडे के पैसे देने को लेकर विवाद

न्यूज क्राइम फाइल

अशोका गार्डन इलाके में शुक्रवार देर रात अंडे के पैसे देने को लेकर विवाद हो गया, बदमाश ठेला लगाने वाले दंपत्ति पर छुरी से हमला करके फरार हो गए। सूचना पर पुलिस में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 48 वर्षीय दुर्ग विजय सिंह औद्योगिक क्षेत्र में अंडे का ठेला लगाता है। ठेले पर उसकी पत्नी भी काम करती है। बीती रात उसके ठेले पर कालू उर्फ अभिषेक, विनोद, विवेक तिवारी आए थे। आरोपियों ने 6 अंडे लिए थे, जिसकी कीमत 32 रुपए थी। जबकि आरोपियों का कहना था कि उन्होंने 4 अंडे ही खाए हैं। इस बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। विवाद होने के बाद तीनों चले गए थे लेकिन कुछ देर बाद तीनों ने वापस लौटकर दुर्ग विजय सिंह के साथ मारपीट शुरू कर दी और छुरी से हमला करने लगे। तभी फरियादी की पत्नी सुनीता ने छुरी को अपने हाथों से पकड़ लिया तो उसका हाथ कट गया। इसके बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सुनीता को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है।

प्रधानमंत्री श्री @narendramodi जी की अध्यक्षता में आज चंडीगढ़ में आयोजित हृष्ट मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की बैठक में सम्मिलित हुआ।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

लुटेरी दुल्हन बताकर 3 घंटे घुमाते रहे 3 कॉन्स्टेबल

उज्जैन की युवतियों का आरोप- अश्लील बातें की, छोड़ने के लिए मांगे 2 लाख रुपए

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन से माता टेकरी दर्शन करने देवास पहुंची दो युवतियों ने तीन पुलिसकर्मियों पर उन्हें लुटेरी दुल्हन बताकर रुपए मांगने के आरोप लगाए हैं। युवतियों का आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने उन्हें निजी वाहन में बैठाया और शहर में करीब 3 घंटे तक घुमाया। फिर उन्हें छोड़ने के लिए दो लाख रुपए की डिमांड की। सौदा एक लाख रुपए में तय हुआ। युवतियों ने मदद के लिए अपनी दीदी को कॉल किया। बहन उज्जैन से देवास पहुंची तो अपने देवास के साथियों की मदद से दोनों बहनों को छुड़ाया। युवतियों ने पुलिसकर्मियों के खिलाफ कोतवाली थाने में आवेदन दिया है।

स्कूटी की चाबी छीनी, कार में बैठाकर चौकी ले गए

एक युवती ने बताया कि हम दोनों करीब शाम 4.30 बजे उज्जैन से देवास वाली माता के दर्शन करने आए थे। रास्ते में एक ढाबे पर रुके। वहां चाय पी रहे थे, तभी तीन पुलिसवाले कार से आए। हमसे पूछताछ करने लगे। हमारी स्कूटी की चाबी छीनकर हमें कार में बैठने को कहा। हम डर गए और बैठ गए। फिर हमें चौकी लेकर आए और 2 लाख रुपए की

डिमांड करने लगे। ये तीन पुलिसकर्मी रवि परिहार, अर्जुन पांडे और अनिल पांडे थे।

हमने पूछा- किस बात के पैसे तो कहा- कि तुम लुटेरी दुल्हन का काम करती हो और फिर गंदी बातें करने लगे। मेरी दोस्त से भी अश्लील बातें की। पैसों को लिए हमने हमारी परिचित दीदी को उज्जैन फोन लगाया। उन्हें पूरी बात बताई। पुलिसवाले ने हमें छोड़ने के लिए 1 लाख रुपए में बात पक्की की। जब तक दीदी पैसे लेकर देवास नहीं आई, तब तक पुलिसवाले हमें शहर में घुमाते रहे। पैसे लेकर देवास पहुंची युवतियों की दीदी ने बताया कि बहनों का फोन आने के बाद वो अपने पति के साथ देवास पहुंची। वहां उन्होंने अपने परिचितों से हिंदू संगठनों को सूचना दी। इसके बाद युवतियों के परिजन और हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता इसकी शिकायत लेकर सिविल लाइन थाने पहुंचे।

तीनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग

इस बात की जानकारी पुलिसकर्मियों को लगी तो वो युवती को थाने के बाहर छोड़कर भाग गए। इसके बाद मामले में कोतवाली थाने में आवेदन देकर करवाई की मांग की गई है। युवतियों ने मांग की है कि तीनों पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया जाए।

एसपी ने सीएसपी को जांच सौंपी

एसपी संपत उपाध्याय ने बताया कि सिविल लाइन थाने में पदस्थ एक एसआई अनिल पांडे और हेड कॉन्स्टेबल रवि परिहार एक युवक की शिकायत पर एक लुटेरी दुल्हन की तलाश कर रहे थे। इस मामले को लेकर उन्होंने किसी सीनियर अधिकारी को जानकारी नहीं दी। इस वजह से मामला संदेहास्पद है। शहर के सीएसपी दिशेष अग्रवाल को जांच सौंपी गई है।

दोनों पुलिसकर्मी लाइन अटैच

एसपी ने बताया मामले में सिविल लाइन थाने के दोनों पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है। वहीं इसने साथ होमगार्ड सैनिक अर्जुन पांडे को लेकर होमगार्ड कमांडेट को जानकारी दी है। एसपी ने कहा कि मामले में दोनों पक्षों के अलग-अलग तथ्य सामने आ रहे हैं। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

बेडरूम में कैमरे लगाने पर अड़ा प्रिंसिपल, पत्नी थाने पहुंची

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर के निजी कॉलेज के प्रिंसिपल की पत्नी ने उनके खिलाफ प्रताड़ना और मारपीट की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि पति बेडरूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने की जिद कर रहा था। मना किया तो चरित्र पर सवाल करने लगा। फिर मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला अपने माता-पिता के साथ मंदसौर में रह रही है। लसूडिया पुलिस ने बताया, राखी श्रीवास्तव की शिकायत पर पति डॉक्टर प्रशांत श्रीवास्तव, ससुर राधेश्याम श्रीवास्तव, सास कल्पना और ननद मीनाक्षी पर केस दर्ज किया है।

महिला ने अपनी शिकायत में पुलिस को यह बताया...

मेरी शादी 7 जुलाई 2014 को प्रशांत श्रीवास्तव से हुई थी। शादी के बाद दो बेटे 9 और 3 साल के हैं। पिता ने शादी में सोने के जेवर, 4 लाख रुपए कैश, एक हुंडई कार दी

थी। ससुराल के लोग कुछ दिन अच्छे से रहे। इसके बाद उनके व्यवहार में बदलाव आ गया। सास-ससुर सामान्य बातचीत में अपशब्द कहने लगे। सास कल्पना ने पूरे परिवार के सामने कई बार बोला कि तुमसे शादी करके नाक कट गई। ऐसा लगता है अब घर छोड़कर जाना पड़ेगा या जहर खाकर मरना पड़ेगा। तुम्हारे पिता ने हमारी उम्मीदों के अनुसार दहेज नहीं दिया। पति कहते हैं कि अगर तुम्हें यहां रहना है तो अपने बच्चों का खर्चा माता-पिता से लाना होगा। ससुराल के लोग किसी चीज के खर्च के लिए रुपए नहीं देते। हर बात में माता-पिता से रुपए लाने की बात करते हैं। मानसिक प्रताड़ना के चलते सारी बातें अपने पिता को बताई। इस पर पिता ने रिश्तेदारों के माध्यम से ससुराल के लोगों को समझाने का काफी प्रयास किया।

बेड रूम में कैमरे लगाए, चरित्र पर उठाए सवाल

महिला ने पुलिस को बताया, पति की इंदौर में नौकरी थी तो सास-ससुर भी गुना से यहीं रहने आ गए। पति ने सास-ससुर और ननद के कहने पर घर में कैमरे लगवाए। जिसे अपने मोबाइल पर अटैच कर लिया। इसके बाद पति ने बेडरूम में कैमरा लगाने की बात कही। मैंने कैमरा लगाने से रोका और कहा कि इससे प्राइवेसी खत्म होगी। तो पति चरित्र पर उंगली उठाने लगे। कहते कि तू जान बूझकर कैमरे नहीं लगवाना चाहती।

ससुर बोले- तुम्हारी जरूरत नहीं

महिला ने बताया कि 9 सितंबर 2024 को सास और पति ने अपशब्द कहे। ससुर ने कहा, हमें तुम्हारी जरूरत नहीं। सास ने चरित्र को लेकर गलत बातें कीं। घर में अकेला छोड़ कर ननद मीनाक्षी के घर चले गए। पति, सास-ससुर कोई भी पूरी रात नहीं आया। ससुर और पति के मोबाइल पर 10 सितंबर को पिता ने मैसेज किया कि घर आओ, पर कोई नहीं आया। मैं पिता के साथ मायके जावरा चली गई। पति ने कहा कि हम तुम्हें नहीं रखेंगे। क्योंकि शादी उनकी मर्जी से नहीं हुई है।एक माह तक समझाया। वापस घर नहीं ले जाने पर पुलिस के पास पहुंचे।

हसदेव अरण्य में पुलिस बल के हिंसक प्रयोग से आदिवासियों के जंगल और जमीन के जबरन गबन का प्रयास आदिवासियों के मौलिक अधिकार का हनन है।
नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

महाकाल मंदिर अन्न-क्षेत्र के पूर्व प्रभारी सहित 3 को उम्रकैद

गार्ड की पत्नी से अफेयर के चलते मर्डर कराया, डीएनए-कॉल डिटेल से साबित हुआ जुर्म

न्यूज क्राइम फाइल

महाकाल मंदिर के सुरक्षा गार्ड की हत्या के मामले में 3 साल बाद कोर्ट का फैसला आया है। जिला कोर्ट ने महाकाल मंदिर अन्न क्षेत्र के प्रभारी रहे निनाद काले, सुरक्षाकर्मी भावना खेड़वनकर और सुनील शर्मा को दोषी मानते हुए उम्र कैद की सजा सुनाई। एक आरोपी को दोषमुक्त किया गया है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में आरोपियों को सजा दिलाने में डीएनए रिपोर्ट सबसे अहम रही। चाकू मारने के दौरान सुरक्षा गार्ड के हाथ में सुनील के बाल आ गए थे। पुलिस ने इन्हीं बालों के सहारे तीनों को उम्रकैद की सजा तक पहुंचा दिया।

घर के पास चाकू मारकर की थी हत्या

22 अक्टूबर 2021 की रात करीब 11 बजे उज्जैन की महाकाल थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि महाकाल मंदिर के सुरक्षा गार्ड दिनेश मराठा (41) की 2 बदमाशों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना नृसिंह घाट के पास गोंड बस्ती में दिनेश के घर के पास की है। दिनेश और उसकी पत्नी भावना महाकाल मंदिर में सुरक्षा एजेंसी के कर्मचारी थे। पुलिस ने इस अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए कई लोगों से पूछताछ की। आखिर में डीएनए रिपोर्ट और कॉल रिकॉर्डिंग से सच सामने आया। दरअसल, अवैध संबंध को लेकर सुरक्षा गार्ड

दिनेश मृतक | भावना मृतक की पत्नी | निनाद काले

की हत्या की गई थी। पुलिस ने मृतक की पत्नी भावना, उसके प्रेमी निनाद काले (महाकाल मंदिर अन्न क्षेत्र का प्रभारी), सुनील शर्मा और रोहित सिंह को गिरफ्तार किया था। करीब 3 साल चले केस में अवैध संबंध के चलते हत्या की बात साबित होने पर कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुनाते हुए निनाद काले, भावना और सुनील शर्मा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जबकि रोहित सिंह के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिलने से उसे बरी कर दिया गया।

25 हजार रुपए में हायर किए थे 2 बदमाश

मामले का खुलासा करते हुए तत्कालीन सीएसपी पल्लवी शुक्ला ने बताया था कि वारदात के बाद निनाद काले ने दिनेश को आखिरी बार उसके घर के पास छोड़ा था। इसी आधार पर पुलिस टीम ने जांच करते हुए 24 घंटे में हत्याकांड की गुत्थी सुलझा दी थी। भावना और निनाद ने मिलकर दिनेश को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। निनाद ने 25 हजार रुपए में सुनील शर्मा और रोहित सिंह को हायर किया। परिवार को नए नूतन स्कूल के पीछे दिनेश को चाकू मारने की सूचना मिली थी। परिजन पहुंचे तो दिनेश रोड पर पड़ा था। उसकी बांई पसली और पैर से खून बह रहा था। पिता दयाराम और अन्य लोग दिनेश को ऑटो से सरकारी अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

कोर्ट में साबित नहीं कर पाए बेगुनाही

दिनेश ने पत्नी भावना और अन्न क्षेत्र प्रभारी निनाद काले को कई बार साथ देखा, फोन पर बातचीत करते पकड़ा और उनके संबंधों पर आपत्ति ली थी। दोनों लगातार फोन पर बात करते थे। दोनों के बीच हुई लगातार बातचीत की सीडीआर कोर्ट में पेश की गई तो आरोपियों के वकील ने दलील दी कि निनाद काले कोरोना काल में भावना के बच्चों को ट्यूशन पढ़ाता था। लेकिन वे कोर्ट में ये साबित नहीं कर पाए की ट्यूशन में कौन सा विषय पढ़ाता था।

9 साल की बच्ची से बस स्टैंड पर रेप

न्यूज क्राइम फाइल

शिवपुरी के अंतरराज्यीय बस स्टैंड पर 9 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया है। बच्ची अपने दादा-दादी के साथ अहमदाबाद से भितरवार के गांव जा रही थी। शुक्रवार रात सवारी वाहन न मिलने के चलते वह दादा-दादी और 5 साल के भाई के साथ बस स्टैंड पर ही रुक गई। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्ची के दादा ने बताया कि परिवार अहमदाबाद में मजदूरी करता है। दीपावली मनाने भितरवार क्षेत्र में अपने गांव जा रहे थे। साथ में पत्नी, पोते (5) और पोती (9) भी थे। शिवपुरी जिले का एक बुजुर्ग भी अहमदाबाद से साथ आया था। सभी शुक्रवार शाम 7 बजे शिवपुरी बस स्टैंड पहुंचे थे।

रात होने के कारण गांव के लिए बस नहीं मिली

बच्ची के दादा ने बताया कि रात होने के चलते गांव के लिए बस नहीं मिली। सभी बस स्टैंड के आखिरी छोर पर कोटा बस स्टॉपेज के परिसर में आराम करने लगे। बच्चे फल खाना चाहते थे, इसलिए पत्नी के साथ फल लेने बस स्टैंड से बाहर चला गया। दोनों बच्चों को बुजुर्ग के पास छोड़ गए थे। लौटे तो पोती खून से लथपथ थी। पूछने पर उसने बताया कि एक शख्स ने उसे डराया और गलत काम किया। इसके बाद भाग गया। बुजुर्ग दंपती बच्ची को लेकर कोतवाली थाना पहुंचे। यहां से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि जिस बुजुर्ग के

पास बच्ची को छोड़ गए थे, उन्हें कम सुनाई देता है। इसलिए बच्ची की चीख नहीं सुन सके।

ऐसे पकड़ा गया आरोपी

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस सक्रिय हो गई थी। एसपी अमन सिंह राठौड़ बच्ची और परिजनों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे। इधर, कोतवाली पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। बच्ची के दादा के मुताबिक आरोपी ने घटना से पहले उससे बीड़ी मांगी थी और अपने आप को रावत समाज से जुड़ा हुआ बताते हुए उनके क्षेत्र के किसी रावत को अपना रिश्तेदार बताया था। आरोपी ने अपना ठिकाना बस स्टैंड बताया था। पुलिस ने बच्ची के दादा की बयानों के आधार पर बस स्टैंड से कई लोगों को राउंडअप किया था। उनसे पूछताछ की गई तो आरोपी कृष्ण पाल रावत ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। बच्ची के दादा के अनुसार बच्ची की मां एक साल पहले उसके बेटे को छोड़कर चली गई थी। उसके बेटे और बहू को चार बच्चे हैं, जिनमें से एक बेटा-बेटी बहू के पास और एक बेटा और बेटी मेरे बेटे के पास है। ये सभी अहमदाबाद में मजदूरी करते हैं। फैक्ट्री प्रबंधन में इस बार मजदूरी के आधे पैसे रोक दिए गए थे, जिन्हें लेने के लिए बेटा वहीं रुक गया और बच्चे हमारे साथ गांव आ रहे थे। मासूम बच्ची को इलाज के लिए के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन बीएल यादव ने बताया कि वो खतरे से बाहर है। कोतवाली प्रभारी रोहित दुबे का कहना है कि आरोपी कृष्ण पाल रावत उर्फ टोंटा पर पॉक्सो एक्ट सहित दुष्कर्म की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी बस स्टैंड पर ही कचरा उठाने और बसों की सफाई करने काम करता है।

रात में बस स्टैंड पर रहता हैं असामाजिक तत्वों जमावड़ा

शिवपुरी के अंतरराज्यीय बस स्टैंड पर रात के समय बसों का संचालन बंद हो जाता हैं। रात में यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता है। यहां आकर लोग नशा करते हैं। यहां बस के परिसर की छतों पर शराब की खाली बोतल सहित नशे की सामग्री बिखरी हुई मिल जाती हैं। इसे लेकर अवैध पार्किंग सहित रात में बस स्टैंड पर होने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। वहीं, कई बस ऑपरेटर भी बस स्टैंड पर फैली अव्यवस्था सहित असामाजिक तत्वों से परेशान हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी द्वारा रवींद्र भवन, भोपाल में सड़क और पुल निर्माण पर दो दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

मकान में विस्फोट, मलबे में दबे कई लोग

सिलेंडर फटने से हादसे की आशंका; तीन बच्चों समेत 4 लोगों को निकालने चल रहा रेस्क्यू

न्यूज क्राइम फाइल

मुरैना के इस्लामपुरा में एक मकान में विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि मकान भरभराकर गिर गया। आसपास के मकान भी चपेट में आ गए। मलबे में कई लोग दब गए ठ्ठ घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे की है। सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। जेसीबी की मदद से मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। रेस्क्यू टीम ने मलबे से एक महिला को बाहर निकाला। वहीं अभी भी तीन बच्चों समेत 4 लोगों के दबे होने की आशंका है। रेस्क्यू के चलते पूरे क्षेत्र की बिजली सप्लाई बंद कर दी गई है।

सिलेंडर से विस्फोट से हुआ हादसा

जिस घर में ये धमाका हुआ वह निरंजन राठौड़ का है। पहले पटाखे बनाते समय विस्फोट की जानकारी सामने आई थी। बाद में पुलिस ने बताया कि घर के अंदर रखे सिलेंडर में विस्फोट हुआ। पुलिस का कहना है कि मकान में पटाखे भी रखे थे। सिलेंडर से पटाखे में आग लगी और पूरा मकान गिर गया। इस विस्फोट से आगे-पीछे के दो-तीन मकानों को नुकसान पहुंचा है। लोगों ने बताया कि मकान में टेंट के सामान के साथ पटाखे रखे थे। वहीं रसोई गैस के सिलेंडर भी रखे थे।

एसपी ने कहा-एक महिला को निकाला

मुरैना एसपी समीर सौरभ ने कहा कि सिलेंडर ब्लास्ट की सूचना मिली थी। एक घर पूरी तरह से ध्वस्त हो गया। साथ ही दो-तीन मकानों को भी नुकसान हुआ है। एक महिला को इसमें से निकाल लिया है। विस्फोट किन कारणों से हुआ है, इसकी जांच चल रही है। शाम तक पूरा मामला क्लियर हो जाएगा। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू चल रहा है।

अपर कलेक्टर ने कहा-बारुद की गंध नहीं आ रही

मुरैना के अपर कलेक्टर सीबी प्रसाद का कहना है कि बारुद की गंध नहीं आ रही है। अगर

बारुद होता तो आग भी फैलती। प्रथम दृष्टया सिलेंडर विस्फोट लग रहा है। मलबे में दो से तीन लोगों के दबे होने की संभावना है। उन्हें निकालने के लिए रेस्क्यू चल रहा है।

पड़ोसी ने कहा-पटाखों के बारुद में विस्फोट हुआ

इस्लामनगर के जिस मकान में विस्फोट हुआ है उसके पड़ोस में रहने वाले धर्मेंद्र गुर्जर का कहना है कि लल्ला राठौर, निरंजन राठौर और उसके पिताजी एकसाथ पटाखे बनाने का काम करते थे। पटाखों के बारुद में विस्फोट हो गया। चार मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इसमें मेरा भी मकान क्षतिग्रस्त हुआ है।

करंट से तीन की मौत, समिति पर लापरवाही का आरोप

युवकों पर थी परिवार की जिम्मेदारी, लोग बोले- हादसे के बाद भी नहीं रोका चल समारोह

न्यूज क्राइम फाइल

सिवनी जिले की लखनादौन तहसील के धूमा में 17 अक्टूबर को महाकाली के चल समारोह के दौरान हाईटेंशन तारों की चपेट में आने से 3 लोगों की मौत हो गई। घायल पांच लोग जबलपुर के मेडिकल अस्पताल में भर्ती हैं। घटना के बाद गांव में मातम है। शुक्रवार को तीनों के शव का अंतिम संस्कार किया गया। यहां मृतकों के परिजन, घायल से बात की। जाना कि हादसा कैसे हुआ। मरने वाले और घायल भी समिति के सदस्य थे। लोगों ने आयोजन समिति, बिजली कंपनी और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया। घटना वाले

दिन का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें हादसे के बाद अफरा-तफरी मच गई।

घायल बोला- स्टेडियम की ओर रथ लाते समय हादसा

जबलपुर के मेडिकल अस्पताल में भर्ती घायल बलराम यादव ने बताया, 'महाकाली सेवा समिति की ओर से 21 फीट ऊंची मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई थी। 17 अक्टूबर को मूर्ति विसर्जित करना था। चल समारोह की तैयारी चल रही थी। शाम के करीब 4 बजे थे। डीजे भी बुलवाया गया था। मैदान में रथ रखा हुआ था। इसी रथ में मूर्ति को रखकर चल समारोह निकालना था। शुरुआती तौर पर मूर्ति को रखने के लिए मूर्ति की हाइट के करीब 21 फीट ऊंचा लोहे के पाइप से सपोर्ट बनाया गया था। करीब 21 फीट हाइट की मूर्ति, तीन फीट ऊंचा रथ, इस तरह करीब 24 फीट रथ की हाइट हो गई। चल समारोह के रास्ते में इतनी ही ऊंचा हाइटेंशन लाइन भी गुजरी है। इसका ध्यान नहीं दिया। माता के रथ को स्टेडियम की ओर से पंडाल तक ला रहे थे। जैसे ही, रथ हाइटेंशन तारों के पास से गुजरा, तेजी से करंट फैल गया। रथ में 12 लोग थे। करंट के झटके से सभी लोग दूर जा गिरे। इनमें आठ लोग ज्यादा झुलसे। 4 लोगों को मामूली करंट लगा था। तीन लोग मूर्ति के करीब थे, उन्हें तेज झटका लगा।

गांव में पसरा मातम, परिजन का रो-रोकर बुरा हाल

हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है। गांव में भीड़ लगी है। परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। शुक्रवार को गांव में जब तीन अर्थियां एक साथ निकलीं, तो हर आंख नम हो गई। तीनों का एक ही श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। कुछ लोगों के आंसू तक सूख चुके हैं। देखने और सुनने वाले के मन में यही सवाल था कि ऐसी क्या गलती हो गई, जिससे इतनी बड़ी सजा मिली। बड़ी बात ये है कि तीनों ही परिवार की आर्थिक हालत अच्छी नहीं है। ऐसे में घर चलाने की चिंता है। हालांकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को दो-दो लाख रुपए की सहायता की घोषणा की है।

प्रतिदिन पौधरोपण के संकल्प के क्रम में आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में पौधा रोपा। वृक्ष हमारी धरती को हरा-भरा और सुंदर बनाते हैं। आप भी अधिक से अधिक पेड़ लगाएं।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

शाह के घर 2 घंटे बैठक चली; भाजपा 155, शिवसेना शिंदे 78 और एनसीपी अजित गुट 55 सीटों पर लड़ेंगे

संदीप कुमार सिंह

महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर शुक्रवार देर रात अमित शाह के घर NDA के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी CM अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और NCP अजित गुट में सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट 78 और NCP अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा। दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद दोनों उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार महाराष्ट्र लौट आए हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अभी भी दिल्ली में होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को अपने कोटे से छोटी पार्टियों को सीट देनी है। किसी पार्टी के पास जिताऊ उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में 5 जगह प्लस-माइनस किया जा सकता है। भाजपा आज 106 नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है सीट शेयरिंग के फॉर्मूले पर सहमति के बाद संभावना है कि भाजपा आज 106 सीटों पर प्रत्याशियों के नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है। इनमें लगभग वो सीटें होंगी जहां पार्टी के बड़े चेहरे चुनाव लड़ेंगे। इनमें देवेंद्र फडणवीस जैसे नाम शामिल हैं।

राज ठाकरे के बेटे भी चुनाव लड़ सकते हैं

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे को चुनावी मैदान में उतारने पर विचार कर रही है। अमित ठाकरे के लिए मुंबई के माहिम और भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट का जायजा लिया जा रहा है। माहिम सीट से शिंदे सेना के सदा सरवणकर मौजूदा विधायक हैं। भांडुप पश्चिम विधानसभा सीट पर ठाकरे सेना के रमेश कोरगांवकर मौजूदा विधायक हैं। अगर MNS माहिम विधानसभा सीट से अमित ठाकरे को उतारती है तो शिवसेना इस सीट से अपना उम्मीदवार नहीं उतारने पर विचार कर सकती है। 2019 विधानसभा चुनाव में जब आदित्य ठाकरे पहली बार चुनाव लड़ रहे थे, तब MNS ने वर्ली सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। 2024 लोकसभा चुनाव में MNS के समर्थन की वजह से महायुति के उम्मीदवार राहुल शेवाले को माहिम विधानसभा सीट पर करीब 14 हजार की लीड मिली थी। इसलिए भी स्त्रस्न को लग रहा है कि अमित ठाकरे के लिए माहिम विधानसभा सीट सुरक्षित हो सकती है। शरद पवार बोले- MVA में सीटों के बंटवारे के बारे में फैसला पाटिल लेंगे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने गुरुवार को कहा है कि महा विकास आघाडी (MVA) के तीनों सहयोगी दलों के बीच महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कुल 288 में से 200 सीट पर आम सहमति बन चुकी है। MVA में राकांपा (SP), कांग्रेस और शिवसेना (UBT) शामिल हैं। महाराष्ट्र के सतारा में पवार ने कहा कि हरियाणा चुनाव के नतीजे का महाराष्ट्र के चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हरियाणा में कांग्रेस को भाजपा से हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा, 'सीट-बंटवारे की चर्चा में मैं सीधे तौर पर शामिल नहीं हूं। जयंत पाटिल (राकांपा-स्क्तकी प्रदेश इकाई के प्रमुख) पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनसे मिली जानकारी के अनुसार, कुल 288 सीट में से 200 पर सहमति बन गई है। यह पूछे जाने पर कि सतारा जिले में राकांपा (SP) किन सीटों की मांग करेगी, उन्होंने कहा कि सीटों के बंटवारे के बारे में फैसला पाटिल लेंगे। 20 अक्टूबर को कांग्रेस CEC करेगी मीटिंग महाराष्ट्र कांग्रेस 20 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक करेगी, जिसमें राज्य के उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। महाराष्ट्र चुनाव स्क्रीनिंग कमेटी की बुधवार को दिल्ली के हिमाचल भवन में बैठक के बाद, विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा कि हम 20 अक्टूबर को एक और बैठक करेंगे और सब कुछ अंतिम रूप दिया जाएगा।

सलीम खान बोले-सलमान ने काले हिरण का शिकार नहीं किया

न्यूज क्राइम फाइल

राइटर, एक्टर और फिल्म प्रोड्यूसर सलीम खान ने कहा कि उनके बेटे सलमान ने कभी काले हिरण का शिकार नहीं किया। उनकी माफी की कोई वजह ही नहीं है। लगातार धमकियां मिलती रहीं, इससे हमारी आजादी छिन गई। लॉरेंस गैंग से मिल रही धमकियों के बाद सलीम खान ने शनिवार को अजित गुट के नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई में 12 अक्टूबर को हत्या कर दी गई थी। इस हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। सोशल मीडिया पोस्ट में गैंग के मेंबर ने लिखा था- सलमान खान की मदद करने करने वालों को छोड़ेंगे नहीं। इसके बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। लॉरेंस गैंग चाहता है कि काला हिरण शिकार मामले में सलमान खान राजस्थान के बिश्नोई समाज से माफी मांग लें। काला हिरण शिकार केस अक्टूबर 1998 में राजस्थान के जोधपुर में हुआ था। तब वहां फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग चल रही थी।

सलीम खान का पूरा इंटरव्यू...

धमकियां जबरन वसूली के लिए सलीम खान ने कहा, सलमान को मिल रही ये धमकियां जबरन वसूली के अलावा कुछ और नहीं हैं। सलमान किससे माफी मांगे? आपने कितने लोगों से माफी मांगी है? कितने जानवरों की आपने जान बचाई है? माफी भी उससे मांगी जाती है, जिसके साथ आपने गुनाह किया हो, जिसके पैसे खा गए हो। ये तो एक्सटॉर्शन है। वो जानवरों से प्यार करता है उन्होंने कहा, सलमान ने क्या कोई गुनाह किया है? आपने देखा है? आपको मालूम है? आपने जांच-पड़ताल की है? हमने तो कभी बंदूक भी इस्तेमाल नहीं की। सलमान ने कहा मैं तो था भी नहीं उस टाइम, उसको नहीं शौक जानवर मारने का...वह जानवरों से मोहब्बत करता है।' सिद्दीकी की हत्या का सलमान से कनेक्शन नहीं सलीम खान ने कहा, पुलिस हमारी सुरक्षा के लिए सब कर रही है। हमें उनकी बात माननी पड़ रही है। लगातार मिल रही धमकियों के चलते हमारी आजादी थोड़ी सी कम हो गई है। बाबा सिद्दीकी की हत्या का सलमान से कोई कनेक्शन नहीं। बाबा सिद्दीकी की हत्या प्रॉपर्टी विवाद के चलते हुई है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623